**आम**

आम फलों का राजा,

कर देता मोटा ताज़ा |

चटनी खा लो या आचार,

होता है सब मजेदार

**छाता**

पानी बरसा छम - छम – छम,

छाता लेकर निकले हम |

पाँव जो फिसला गिरे धड़ाम,

नीचे छाता उपर हम |

**मोर**

नाच मोर का सबको भाता,

जब वह पंखो को फैलाता |

पीहू - पीहू का शोर मचाता,

घूम – घूमकर नाच दिखता |

**बिटिया रानी**

क्यों रूठी हो गुड़िया रानी,

खा लो लड्डू, पी लो पानी

अच्छे बच्चे ज़िद न करते,

बात मान लो बिटिया रानी |

**प्रार्थना**

हे भगवान, हे भगवान,

हम सब तेरी है संतान |

दे दो हमको वरदान,

पढ़ – लिखकर हम बनें महान ||

**मोर**

देखो छत पर आया मोर,

बच्चों तुम न करना शोर |

वरना यह उड़ जाएगा,

फिर न वापस आएगा ||

**तितली**

सुबह सवेरे आती तितली,

फूल- फूल पर जाती तितली |

रंग –बिरंगे पंख सजाए,

सब फूलों को रंग दे जाए ||

**बिजली चमकी, बरसा पानी**

बिजली चमकी, बरसा पानी,

मेंडक करते है शैतानी |

भीग गई जब तितली रानी,

झट नन्ही –सी छतरी तानी ||

**आलू – कचालू**

आलू – कचालू बेटा कहाँ गए थे,

बंदर की झोपड़ी में सो रहे थे |

बंदर ने लात मारी रो रहे थे,

मम्मी ने प्यार किया हँस रहे थे ||

**पतंग**

मेरी छोटी – सी पतंग ,

उड़ती चली हवा के संग |

इसके इंद्रधनुष से रंग,

देख के बच्चे रह गए दंग ||

**तिरंगा**

रहे तिरंगा अमर हमारा,

गाएँ मिलकर भारत सारा |

हिन्दू – मुस्लिम, सिख – ईसाई,

आपस में हैं, भाई – भाई ||

**बिल्ली मौसी**

बिल में बैठा चूहा,

अंदर कैसे जाऊँ ?

म्याऊँ – म्याऊँ - म्याऊँ

कैसे भूख मिटाऊँ ?

**ईश –प्रार्थना**

जिसने सूरज चाँद बनाया,

जिसने तारों को चमकाया,

जिसने फूलों को महकाया,

जिसने सारा जगत बनाया,

उस ईश्वर को सदा मनाओ,

उसके आगे शीश झुकाओ |

**भोर हुई**

सुबह –सुबह मेरी छत पर,

नन्ही चिड़िया आती है |

चूँ- चूँ करती, फुदक –फुदक कर,

भोर हुई बतलाती है ||

**आलू – कचालू**

आलू – कचालू बेटा कहाँ गए थे,

बैंगन की टोकरी में सो रहे थे |

बैंगन ने लात मारी रो रहे थे,

मम्मी ने प्यार किया हँस रहे थे ||

**छम- छम**

पानी बरसा छम - छम – छम,

छाता लेकर निकले हम |

पाँव फिसल गया, गिर गए हम,

नीचे छाता उपर हम |

**तारे**

चम चम चमक रहे हैं तारे,

आसमान में मिलकर सारे |

इतने ऊँचे, इतने छोटे,

झिलमिल – झिलमिल, प्यारे - प्यारे |